भ्रमण आख्या

भ्रमण जनपद : रायबरेली
दिनांक : 31 मई से 1 जून 2017
टीम : डा0 मधु शर्मा – महाप्रबन्धक (नियोजन)
: अभिषेक सोनी – परामर्शदाता (नियोजन)
: मुकेश कुमार – परामर्शदाता (मातृ स्वास्थ्य)

मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता के बिन्दु : प्रातः 10.00 बजे

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अतिरिक्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परिवार कल्याण, नियमित टीकाकरण व आर0सी0एच0 उपस्थित थे। उनको भ्रमण के उद्देश्य से अवगत कराया गया तथा उनके द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रगति के सम्बंध में चर्चा की गयी। अधिकांश अधिकारी विस्तृत रूप से कार्यक्रम की जानकारी नहीं दे सके तथा सम्बंधित लिपिक को रिकार्ड सहित बुलाकर जानकारी देने हेतु कहा गया। इससे प्रतीत हुआ कि सम्बंधित अधिकारियों द्वारा योजना में कोई विशेष रूचि नहीं ली जा रही है। इस सम्बंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया तथा कहा गया कि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा अपने कार्यक्रमों को गहनता से चलाए जाने के सम्बंध में विशेष रूचि लेते हुए संचालन किया जाना चाहिए।

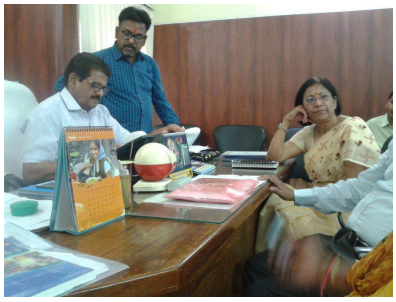

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि आर0बी0एस0के0 टीम के भ्रमण हेतु गाड़ियों का भुगतान 6 माह से लम्बित है, जिसके कारण कार्यक्रम का संचालन प्रभावित हो रहा है। उनके द्वारा अनुरोध किया गया कि वाहनों के संचालन हेतु आवश्यक धनराशि तत्काल जनपद को अवमुक्त कर दी जाए। इस सम्बंध में वे कई बार पत्राचार व दूरभाष पर एस0पी0एम0यू0 के सम्बंधित अधिकारियों से वार्ता कर चुके हैं, अतः इस सम्बन्ध में तत्काल महाप्रबन्धक–नियोजन द्वारा भ्रमण के दूसरे दिन सम्बन्धित अधिकारी से वार्ता कर समस्या का समाधान कर दिया गया।

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2008–09 में जे0एस0वाई0 के 250 लाभार्थियों का भुगतान बजट उपलब्ध न होने के कारण अभी तक लम्बित है। इस सम्बंध में 3 लाभार्थियों द्वारा आर0टी0आई0 दाखिल की गयी है। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त 250 केसों का सत्यापन भी ब्लाक अधिकारियों के सहयोग किया जा चुका है। अतः उक्त लाभार्थियों के भुगतान हेतु संस्तुति दी गयी है परन्तु उक्त भुगतान किस प्रकार किया जाए इस सम्बंध में मार्गदर्शन दिये जाने का अनुरोध किया गया। महाप्रबन्धक–नियोजन द्वारा सुझाव दिया

गया कि इस सम्बन्ध में आवश्यक अभिलेखों सहित मांगपत्र महानिदेशक, परिवार कल्याण व मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 को प्रेषित किया जाय, ताकि भुगतान के सम्बंध में निर्णय लिया जा सके।

- जनपद में क्रियाशील ब्लड बैंक व ब्लड स्टोरेज पर चर्चा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज एवं बछरांवा को ब्लड स्टोरेज यूनिट का लाइसेन्स प्राप्त है, परन्तु उपकरणों की समुचित व्यवस्था न होने के कारण उक्त यूनिट क्रियाशील नहीं है।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 2007–08 में महिला नसबन्दी के 2 असफल केसों के भुगतान के आदेश जिला स्तरीय कोर्ट द्वारा दिया गया है, परन्तु इसके लिए धनराशि का प्राविधान राज्य मुख्यालय द्वारा किया जाना होगा। महाप्रबंधक, नियोजन द्वारा सुझाव दिया गया कि इस सम्बंध में कोर्ट के आदेश को संलग्न करते हुए महानिदेशक–परिवार कल्याण को पत्र प्रेषित कर दिया जाए।
- उनके द्वारा अवगत कराया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीह पर कार्यरत बी0पी0एम0 श्री छोटेलाल यादव व ब्लाक लेखा प्रबंधक श्री काशी प्रसाद का कार्य अत्यंत असंतोषजनक है। इस सम्बंध में निर्णय लिया गया कि भ्रमण दल द्वारा अगले दिन उक्त सी0एच0सी0 का भी भ्रमण किया जाएगा।

जिला महिला चिकित्सालय (रायबरेली)

- दिनांक 31 मई, 2017 को जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, डॉ0 रेनू चौधरी अवकाश पर थीं। डा0 दीक्षित, रेडियोलाजिस्ट को सी0एम0एस0 का चार्ज दिया गया था, जिनसे चिकित्सालय के सम्बंध में विस्तृत चर्चा हुयी।

- उनके द्वारा चिकित्सालय में सी0सी0टी0वी0 कैमरे की व्यवस्था का अनुरोध किया गया। डी0पी0एम0 श्री राकेश प्रताप सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त व्यवस्था डी0एच0एस0 के अनुमोदनोपरान्त कर दी जाएगी।

- उनके द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 70–80 अल्ट्रासाउंड केस उनके द्वारा किये जाते हैं, अतः केस लोड को देखते हुए एक संविदा रेडियोलाजिस्ट तैनात किया जाना आवश्यक है। उनको सुझाव दिया गया कि वे इस सम्बंध में एक प्रस्ताव मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित करें, जिनके द्वारा संविदा पद की मांग हेतु पत्र मिशन निदेशक को प्रेषित किया जाएगा।

- जिला महिला चिकित्सालय के भ्रमण के दौरान पाया गया कि चिकित्सालय में सामान्य सफाई थी परन्तु नियमित रूप से

मेकेनाइज्ड क्लीनिंग की जा रही हो, ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा था। चूंकि उक्त चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था यू0पी0एच0एस0एस0पी0 के माध्यम से की जा रही है, अतः सुश्री निमिशा, यू0पी0एच0एस0एस0पी0 की हास्पिटल मैनेजर को भी बुलाया गया, परन्तु वह तत्समय चिकित्सालय में उपस्थित नहीं थी। बाद में लगभग 2 बजे पहुंचकर उन्होंने बताया कि मैकेनाइज्ड क्लीनिंग दिन में एक बार ही की जाती है। उनको निर्देशित किया गया कि सफाई व्यवस्था पर अधिक ध्यान दिया जाना आवश्यक है, जिसके लिए सम्बन्धित एजेन्सी के कार्य का नियमित अनुश्रवण किया जाय।

- प्रचार–प्रसार हेतु दीवार लेखन किया गया था तथा कतिपय प्रोटोकॉल पोस्टर्स वॉर्ड आदि में प्रदर्शित थे, परन्तु व्यवस्थित रूप से नहीं लगाये गये थे।

- जिला महिला चिकित्सालय में मासिक प्रसव भार औसतन 600 था। लेबर रूम में कुल 5 लेबर टेबल उपलब्ध थीं, लेबर टेबल के बीच प्राइवेसी हेतु पर्दे नहीं लगे थे। कुछ लेबर टेबल में जंग लगा हुआ था। लेबर टेबिल्स पर गद्दा नहीं था व मात्र एक चादर बिछी थी, जो कि काफी गंदी थी। लेबर रूम में मानकानुसार प्रोटोकॉल पोस्टर उपलब्ध नहीं थे।

- लेबर ट्रे में आवश्यक औषधियां उपलब्ध नहीं थीं एवं लेबर ट्रे की लेबलिंग भी नहीं की गई थी।

- लेबर रूम के अंदर कलर कोडेड बिन जहां–तहां रखे पाये गये, जो कि आपत्तिजनक था। यू0पी0एच0एस0एस0पी0 द्वारा चिकित्सालय में 2 संविदा स्टाफ नर्स तैनात की गई हैं, जिन्हें निर्देशित किया गया कि लेबर रूम में ढक्कनदार कलर कोडेड बिन्स की व्यवस्था कराई जाय तथा उन्हें व्यवस्थित रूप से रखा व उपयोगित किया जाय।

- रिकॉर्ड कीपिंग हेतु प्रसव रजिस्टर, रेफरल इन आउट रजिस्टर मानक के अनुसार उपलब्ध नहीं थे तथा जिन रजिस्टर्स पर अंकन किया जा रहा था, वे भी अद्यतन नहीं किये गये थे। स्टाफ नर्स को पार्टोग्राफ भरना नहीं आता था, अतः उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था। भ्रमण दल द्वारा उपस्थित महिला चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि लेबर रूम को एम0एन0एच0 टूल किट दिशा–निर्देश के अनुसार शीघ्रातिशीघ्र व्यवस्थित किया जाय, जिसके लिए डी0पी0एम0 द्वारा सहयोग प्रदान किया जायेगा। साथ ही डी0पी0एम0 को सचेत किया गया कि वे लेबर रूम में समुचित व्यवस्था यथाशीघ्र सुनिश्चित करायें, चूंकि वर्तमान स्थिति के लिए वे भी उत्तरदायी हैं।

- लेबर रूम में मानकानुसार रजिस्टर उपलब्ध न होने के विषय में हॉस्पिटल मैनेजर का ध्यान आकर्षित किया गया, तो उनके पास भी इसका कोई जवाब नहीं था। अतः उन्हें निर्देशित किया गया कि एम0एन0एच0 टूल किट के अनुसार लेबर रूम में सभी रजिस्टर्स की व्यवस्था एक सप्ताह में सुनिश्चित करायें। साथ ही निर्देशित किया गया कि यू0पी0एच0एस0एस0पी0 द्वारा तैनात की गई स्टाफ नर्स के टी0ओ0आर0 निर्धारित कर उनसे कार्य लिया जाय।

एन0आर0सी0

- भ्रमण के के दौरान एन0आर0सी0 द्वारा दी जाने वाले सेवाओं एवं मानव संसााधन के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। रिकार्ड/रिपोर्ट के आधार पर एन0आर0सी0 की शैयया उपयोगिता दर में वृद्वि हुयी है। साथ ही फालो–अप विजिट भी बढी हैं।

- एन0आर0सी0 में 10 बेड उपलब्ध थे, जिनमें 05 बच्चे भर्ती थे। माताओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि एन0आर0सी0 में दी जाने वाली सेवाएं संतोषजनक हैं एवं स्टाफ द्वारा बच्चों का पूर्ण ध्यान रखा जाता है।

- एन0आर0सी0 स्टाफ द्वारा भ्रमण दल को सुझाव दिया गया कि ठंढ के मौसम में बच्चों को नहलाने के लिए गरम पानी की सुविधा होनी चाहिए, अतः इस सम्बन्ध में महाप्रबन्धक–शिशु स्वास्थ्य द्वारा आवश्यक निर्देश भेजा जाना उचित होगा।

ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (ग्राम–बूढ़नपुर) :–

टीम द्वारा ग्राम–बूढनपुर के पंचायत घर में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का निरीक्षण किया गया।

- निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सत्र माइक्रो प्लान के अनुसार आयोजित किया जा रहा है।
- ए0एन0एम0, श्रीमती बीना देवी, आंगनबाडी कार्यकत्री– पुष्पलता एवं आशा– निर्मला देवी द्वारा सत्र पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को ड्यू लिस्ट के अनुसार कुल 16 लाभार्थीयों की सूची तैयार की गई थी, जिसके आधार पर लाभार्थीयों को बुलाया जा रहा था एवं जांच तथा टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा था।
- आवश्यक सामग्री, उपकरण एवं वैक्सीन इत्यादि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थे।
- ए0एन0एम0 द्वारा हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान की जा रही थी तथा ब्लड प्रेशर, वजन, हीमोग्लोबिन एवं शुगर की जांच सही प्रकार से की जा रही थी। उक्त सभी स्किल का डेमो भी ए0एन0एम0 द्वारा किया गया।

सुझाव एवं फीडबैकः–

- सत्र पर विगत सत्रों के कार्ड एवं प्रचार प्रसाार सामाग्री उपलब्ध नहीं थी। इस सम्बंध में राज्य स्तरीय टीम द्वारा ए0एन0एम0 को निर्देशित किया कि हर सत्र पर प्रचार प्रसार सामग्री सदैव साथ रखें।
- आंगनबाडी द्वारा पोषाहार वितरण नहीं किया जा रहा था, पूछने पर पता चला कि आई0सी0डी0एस0 विभाग द्वारा जारी नये निर्देशों के तहत नियत तिथियों 5, 15 व 25 को ही पोषाहार वितरित किया जाता है, जिससे ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का वास्तविक उददेश्य प्रभावित हो रहे है तथा यह कार्यक्रम सिर्फ नियमित टीकाकरण के ही उददेश्यों को प्राप्त कर पा

रहा है। ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस पर पोषाहार का वितरण किया जा सके इस हेतु सम्बन्धित विभाग से राज्य स्तर से समन्वय स्थापित किये जाने की आवश्यकता है।

ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (ग्राम–मकदूमपुर):–

भ्रमण टीम द्वारा ग्राम–मकदूमपुर के आंगनबाडी केन्द्र में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का निरीक्षण किया गया।

- सत्र माइक्रो प्लान के अनुसार संचालित था।
- सत्र पर ए0एन0एम0 श्रीमती पोन्नमा, आंगनबाडी सहायिका–दयावती एवं आशा–भानमती द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को ड्यू लिस्ट के अनुसार कुल 06 लाभार्थीयों की सूची तैयार की गई थी, जिसके आधार पर लाभार्थीयों की जांच तथा टीकाकरण की सुविधा दी गई थीं। टीकाकरण हेतु सभी सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी।
- ए0एन0एम0 द्वारा हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान की जा रही थी तथा ब्लड प्रेशर, वजन, हीमोग्लोबिन एवं शुगर की जांच की जा रही थी।

सुझाव एवं फीडबैकः–

- सत्र पर प्रचार प्रसाार सामाग्री उपलब्ध नहीं थी इस सम्बंध में राज्य स्तरीय टीम द्वारा ए0एन0एम0 को निर्देशित किया कि हर सत्र पर प्रचार प्रसाार सामग्री साथ रखें।

द्वितीय दिवसः–

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (डीह)

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 राजेश कुमार गौतम से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि स्वास्थ्य इकाई, जिला मुख्यालय से लगभग 25 किमी की दूरी पर है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि पी0एच0सी0 को सी0एच0सी0 भवन में शिफ्ट कर दिया गया है, जबकि अन्य व्यवस्था सी0एच0सी0 के अनुरूप नहीं है। चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान निम्न बिन्दु प्रकाश में आयेः–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीह पर प्रत्येक माह 140 प्रसव होते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में संचालित इकाई में मात्र प्रसव केसों को ही भर्ती किया जा रहा था, शेष रोगियों का उपचार (ड्रिप आदि) अस्पताल के वेटिग एरिया में सीमेन्ट की बेन्चों पर लिटाकर किया जाता है। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की पुरानी बिल्डिंग भी उपयोगित की जा रही थी, जिसमें मुख्यतः आशा ट्रेनिंग चल रही थी। उक्त बिल्डिंग में 6 बिस्तर हैं, जिन पर प्रसव से सम्बन्धित रोगी रहते हैं।

- डिलीवरी रूम में एम0एन0एच0 टूल किट के अनुसार आवश्यक ट्रे उपलब्ध नहीं थी तथा इमरजेंसी ट्रे में आवश्यक मेडिसिन उपलब्ध नहीं थीं।

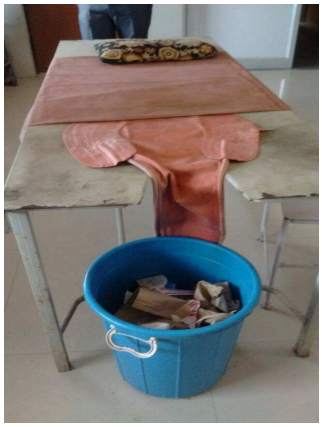

- प्रसव कक्ष में मात्र एक डिलीवरी टेबिल थी, जिस पर गद्दे व चादरे नहीं थी, टेबिल काफी गन्दी थी।
- डिलीवरी रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर्स उपलब्ध नहीं थें और ना ही पार्टोग्राफ प्रयोग में लाया जा रहा था।
- साथ ही शिशुओं का वजन 2.00 कि0ग्रा0, 2.5 कि0ग्रा0 या 3.00 कि0ग्रा0 अंकित किया गया है जो कि प्रथम दृष्टया सही नही प्रतीत होता है।
- शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले एक सप्ताह से लाभार्थियों को भोजन नहीं दिया जा जननी रहा था।
- मरीजों द्वारा टीम से शिकायत की गई कि चिकित्सकों द्वारा ज्यादातर दवायें बाहर से लिखी जा रही है जिसके सत्यापन पर शिकायतें सही पायी गई। ज्यादातर दवायें जो कि स्टोर में एवं फार्मासिस्ट के पास मौजूद थी वो भी सादी पर्ची पर बाहर की दुकानों से खरीदने को लिखा गया था। कोई भी मरीज फार्मेसी से दवा लेता नहीं पाया गया, यह स्थिति अत्यन्त खेदजनक थी, जबकि अधिकांश दवाइयां स्टोर में उपलब्ध थीं तथा फार्मासिस्ट भी उपस्थित था।
- रोगियों द्वारा शिकायत की गई कि चिकित्सा अधिकारी–द्वितीय डॉ0 अमित सचान की पत्नी डॉ0 अनुभा सिंह सचान की क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर चिकित्सा परिसर की बाउण्ड्री से सटा हुआ चल रहा है। डॉ0 सचान द्वारा उक्त स्टोर से दवा खरीदने हेतु हरी पर्ची दी जाती है। डॉ0 अमित सचान से इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर उनके द्वारा यह बात मानी गई, जिसे भ्रमण टीम द्वारा गम्भीरता से लिया गया तथा उनको अपनी कार्यप्रणाली तत्काल सुधारने हेतु कड़े निर्देश दिये गये। साथ ही उपस्थित डी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ आकर फॉलोअप करें तथा देखें कि दिये गये निर्देशों का पालन हुआ कि नहीं। इस सम्बन्ध में डॉ0 सचान ने आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति नहीं की जायेगी। उक्त प्रकरण से मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मिलकर अवगत कराया गया। उनके द्वारा कहा गया कि वे इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही करेंगे।

- बॉयोमेडिकल वेस्ट मेनेजमेन्ट एवं लॉण्ड्री आदि सपोर्ट सर्विस सुचारू रूप से नहीं चल रही हैं।

<u>आशा प्रशिक्षणः–</u>

- आशा माडयूल 6–7 का प्रशिक्षण बैच दिनांक 29 मई से 2 जून तक संचालित है, प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया जिसमें प्रशिक्षण की गुणवत्ता व अन्य व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गई। 5 दिवसीय बैच के चौथे दिन तक 4 में से मात्र 1 एन0जी0ओ0 प्रशिक्षक द्वारा ही प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा था। डी0सी0पी0एम0 द्वारा प्रयास करने के बाद चौथे दिन प्रशिक्षण मैनुअल दिया गया तथा पेन, पैड,

फोल्डर इत्यादि चौथे दिन भी नहीं दिया गया। प्रथम दिन प्रशिक्षु आशाओं को जलपान एवं भोजन इत्यादि नही दिये जाने तथा बाद के दिनों में निम्न स्तर का भोजन दिये जाने की शिकायत आशाओं द्वारा की गई।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–लालगंज (प्रथम सन्दर्भन इकाई):–</u>

चिकित्सा अधीक्षक डा0 रजत कुमार चौरसिया तैनात हैं, जो कि बाल रोग विशेषज्ञ हैं। इनके अतिरिक्त एक निश्चेतक, एक आर्थोपेडिक सर्जन, एक डेन्टल सर्जन, 4 एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक, 1 आयुष, 4 संविदा स्टाफ नर्स एवं 3 ए0एन0एम0 चिकित्सा इकाई पर कार्यरत हैं।

- स्वास्थ्य इकाई पर प्रत्येक माह औसतन 200 प्रसव होते हैं। गत माह एक सिजेरियन प्रसव कराया गया है।
- चिकित्सा इकाई पर महिला रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं है, जिसके दृष्टिगत सर्जन को आवश्यकता पडने पर बुलाया जाता है, किन्तु अक्सर सर्जन समय पर उपलब्ध नहीं होते हैं, जिससे सिजेरियन डिलिवरी नहीं हो पा रही है। अधीक्षक द्वारा यथाशीघ्र महिला चिकित्सक को तैनात किये जाने का अनुरोध किया गया।
- प्रसव कक्ष व्यवस्थित था, प्रोटोकाल पोस्टर सही प्रकार से प्रदर्शित थे तथा विभिन्न रिकॉर्ड ठीक पाये गये। एफ0आर0यू0 हेतु निर्धारित समस्त 7 इमरजेन्सी ट्रे व्यवस्थित पाई गईं। अन्य आवश्यक उपकरण क्रियाशील थे।

- डिलीवरी टेबल पर गददे व चादरे नहीं थी, टेबल काफी गन्दी थी, जो कि अत्यन्त खेदजनक था। चिकित्सा अधीक्षक के पास इसका कोई उत्तर नहीं था। उन्हें सुझाव दिया गया कि आर0के0एस0 के खाते में उपलब्ध धनराशि से सक्षम स्तर के अनुमोदनोपरान्त इसकी व्यवस्था की जा सकती है। डी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि तत्काल यह व्यवस्था कराने में सहयोग प्रदान करें।
- जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत 25 मई, 2017 तक 500 लाभार्थियों में से 450 लाभार्थियों (90%)का भुगतान किया जा चुका था एवं कुल 266 आशाओं में से 255 आशाओं (95.86%) को भुगतान किया जा चुका था।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु ब्लड स्टोरेज यूनिट का लाइसेंस स्वीकृत है किन्तु इसके लिये उपकरण एवं आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। मात्र रेफ्रिजरेटर एवं डीप फ्रीजर उपलब्ध कराया गया था, जो कि वर्तमान में खराब है। यह सूचना मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दी जा चुकी है।
- अल्ट्रासाउण्ड मशीन विगत 10 माह से खराब है, जिसके

सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया कि मुख्य चिकित्साधिकारी को मशीन ठीक कराने हेतु अनुरोध किया गया है।

- बॉयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट एवं लॉण्ड्री व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं चल रही हैं।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में के0एम0सी0 वार्ड सुचारु रुप से कियाशील है।
- चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि लालगंज क्षेत्र में ए0एन0एम0 की भारी कमी है वर्तमान में 8 उपकेन्द्रों में ए0एन0एम0 नहीं है तथा 2 ए0एन0एम0 शीघ्र ही रिटायर हो रही है तथा 2 अन्य ए0एन0एम0 लम्बी छुटटी पर है। टीम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद को वर्तमान में कार्यरत ए0एन0एम0 के अतिरिक्त 16 अतिरिक्त संविदा ए0एन0एम0 के पद वर्ष 2016–17 में स्वीकृत किये गये है जिसके लिये जनपद स्तर से नियुक्ति की जानी है। डी0पी0एम0 से कहा गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर से ए0एन0एम0 तैनाती की कार्यवाही सुनिश्चित करवायें।

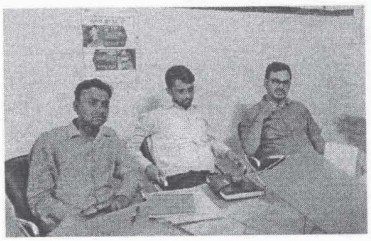

- आशा माडयूल 6–7 का प्रशिक्षण बैच दिनांक 29 मई से 2 जून तक संचालित है, प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया जिसमें प्रशिक्षण की गुणवत्ता व अन्य व्यवस्था संतोषजनक पायी गई। प्रशिक्षु आशाओं से भी फीडबैक प्राप्त किया गया।

अंत में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण टीम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रायबरेली को उपर्युक्त समस्त बिन्दुओं से अवगत कराया गया, जिसपर उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि वे दिये गये सुझावानुसार कार्यवाही यथाशीघ्र सनिश्चित करेंगे।

डा0 मधु शर्मा – महाप्रबन्धक (नियोजन) 8.7.17

अभिषेक सोनी – परामर्शदाता (नियोजन) 8-7-17

मुकेश कुमार – परामर्शदाता (मातृ स्वास्थ्य)